ओम शांति

अद्भुत यात्रा है ये जीवन, सब मिल कदम बढायें

स्वस्थ हो मन, सुरक्षित जीवन - आओ, सब मिल सफलता पायें

वसुदैव-कुटुम्बकम् की अवधारणा के अनुरूप समाज एक वृहद परिवार के समान है। जैसे हम अपने छोटे से परिवार की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सफलता के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं वैसे ही इस वृहद परिवार के हर सदस्य की सुरक्षा के लिए भी हर संभव प्रयास करें यही जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। इस परिवार की अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है यातायात, परिवहन एवं पर्यटन क्षेत्र में कार्य करने वाले सदस्य। आज यातायात के बिना जीवन संभव ही नहीं है। हमारे लिए आवश्यक खाद्य सामग्री, फल-सब्जियां हों या अन्य सामग्री जैसे मशीन, वाहन आदि, सभी के परिवहन के लिए और आरामदेय, सुखद यात्रा के लिए, इस क्षेत्र में कार्यरत हर सदस्य कठिन परिश्रम करता है।

लेकिन आये दिन होने वाली तनावपूर्ण घटनाओं एवं विपरीत परिस्थितियों का सामना करते समय आन्तरिक आध्यात्मिक शक्तियों के अभाव में मन अस्थिर और जीवन असुरक्षित होता जा रहा है। यह कटु सत्य है कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या और उनमें मृत्यु को प्राप्त होने वालों की संख्या के अनुसार तो भारत विश्व में अग्रिम पंक्ति में है। हवाई जहाज़ हो या रेल, ट्रक हो या बस, कार हो या टेम्पो, आये दिन हो रहे हादसों का मुख्य कारण तनाव ग्रस्त मन, नशे की हालत में वाहन चलाना, कार्यशैली में दोष या नियंत्रण से ज़्यादा रफ्तार ही होता है। जल्दी से जल्दी इच्छित सफलता के प्रयास में मानवीय मूल्यों को ताक पर रखना ही तनाव और असफलता का कारण है।

वास्तव में मन एकाग्र, सशक्त और प्रसन्न होगा तभी सही निर्णय ले कर सही तरीके से कार्य करना संभव होगा, वही सफलता का आधार भी बनेगा। इसलिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण के आधार पर सफलता के नये आयाम स्थापित करने और श्रेष्ठ मनोस्थिती द्वारा सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए **ब्रह्माकुमारीज़ की सहयोगी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के यातायात एवं परिवहन प्रभाग** ने यातायात सुरक्षा जागृति हेतु एक अखिल भारतीय योजना बनाई है।

इसके अंतर्गत **सफल सुरक्षित जीवन यात्रा अभियान** के माध्यम से यातायात, परिवहन और पर्यटन क्षेत्र में कार्यरत लोगों से सीधा सम्पर्क किया जाएगा। इसी की कडी के रूप में सुरक्षा जागृति और सफलता की प्रेरणा देने के लिए हरियाणा और पंजाब राज्यों के अनेक मुख्य शहरों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

अभियान का मुख्य उद्देश्य

जन साधारण में सड़क सुरक्षा नियमों की जागृति ले आना।

व्यसन मुक्ति के प्रती जागरुकता लाना।

यातायात एवं पर्यटन क्षेत्र के लोगों को तनाव मुक्त जीवन शैली अपनाने हेतु सक्षम बनाना।

इन क्षेत्रों के लोगों को आध्यात्मिक जागृति से खुशहाल बनाना।

परिवार समाज और विश्व भर में जीवन यात्रा की सफलता के लिए नयी कार्यविधि की जानकारी देना।

विज्ञान भी कहता है कि ध्यान से किया कोई भी कार्य हमेशा सफलता हासिल करवाता है। योग एवं ध्यान से हर कार्य में कुशलता मिलती है फिर चाहे वो पढ़ाई हो या फिर सड़क पर मोटर चलाना। राजयोग की सरल ध्यान विधि अपने मन की एकाग्रता पर काम करना सिखाती है। जब हमारे आस-पास परमात्मा की सशक्त दैवीय किरणें रहती हैं तो दुर्घटना का सवाल ही नहीं उठता। ध्यान से चित्त शांत होता है और मानव ऊर्जा सकारात्मक होती है।

अभियान के इस चरण का शुभारंभ चन्डीगढ़ में 4 नवंबर 2016 को सेक्टर 33 स्थित राजयोग भवन में हुआ तथा 21 नवंबर 2016 को अमृतसर में समापन होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की माननीय जज श्रीमती दया चौधरी और यातायात एवं परिवहन विभाग चण्डीगढ के डायरेक्टर श्री अमित तलवार रहे।

मुम्बई से आए मुख्य वक्ता ब्रह्मा कुमार गिरीश भाई और वक्ता सारिका बहन ने सामाजिक दिक्कतों के चलते अपने आप में बदलाव लाने के फायदे एवं सरल राजयोग विधि के बारे बताया जिससे परमात्मा से जुडते हुए न केवल हम खुद बल्कि समाज को भी प्रत्यक्ष रूप से सुरक्षा पहुंचा सकते हैं।

दिव्या बहन ने अभियान का उद्देश्य और कविता बहन ने इससे संबन्धित UN के सभी प्रोजेक्टस के बारे में बताया जिनमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्था गत कई वर्षों से नियमित अपना योगदान दे रही है।

इसी शुभ अवसर पर भ्राता अमीर चंद जी और उत्तर दीदी जी ने सभी को शुभाशीष दी।

बी.के. उत्तर दीदी